

गुरुवर ने आकर जगा दिया चौरासी की नींद में लिरिक्स



गुरुवर ने आकर जगा दिया,
चौरासी की नींद में,
गुरुवर ने आके जगा दिया,
सतगुरु जी ने आके जगा दिया,
चौरासी की नींद में।

पता नही मैं कौन था,
आया कहा से क्या पता,
कृपा करी गुरुदेव जी ने,
काग से हंसा बना दिया,
चौरासी की नींद में,
गुरुवर ने आके जगा दिया,
चौरासी की नींद में।

मोती था एक सिप में,
सिप समुद्र में डाल दिया,
मेहर करि गुरुदेव जी ने,
भवसागर से उबार दिया,
चौरासी की नींद में,
गुरुवर ने आके जगा दिया,
चौरासी की नींद में।

अंत समय की भूल थी,
भूल में वस्तु अमोल थी,
दया करि गुरुदेव जी ने,
अमृत प्याला पिला दिया,
चौरासी की नींद में,
गुरुवर ने आके जगा दिया,
चौरासी की नींद में।

गुरुवर ने आकर जगा दिया,
चौरासी की नींद में,
गुरुवर ने आके जगा दिया,
सतगुरु जी ने आके जगा दिया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

चौरासी की नींद में।bd।



प्रेषक – दीपक आरदी ।

9131010004

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>